सुविचा सोच का ही फर्क होता है , वरना समस्याएं हमें कमजोर नही मजबुत बनाती है । डीजिटल संस्करण https://sbpatra.in पर उपलब्ध

सत्य का ब्रह्मास्त्र

स्वतंत्र बौद्धिक पत्र

सम्पादक-मधुसूदन शर्मा
सह सम्पादक-बृजेश कुमार शर्मा

वर्ष - १ | अंक - १५ | २४/०६/२०२४ | पृष्ठ - ४ | प्रति सोमवार डीजिटल संस्करण

सम्पादकीय

18 वी लोकसभा का पहला सत्र , बडी है चुनौतियां

सोमवार को १८वीं लोकसभा के पहले सत्र की शुरुआत हो गई। हालांकि शुरुआती दो दिन सांसदों के शपथ ग्रहण की औपचारिकता ही होनी है, लेकिन फिर भी दोनों पक्षों के तेवर पहले ही दिन से यह संकेत दे रहे हैं कि न तो विपक्ष इस बार सदन में अपनी ताकत दिखाने का कोई मौका चूकना चाहता है और न ही सत्ता पक्ष उसे हलके में लेने के मूड में है।

पिछला अनुभव - वैसे संख्या बल में जो भी थोड़ी-बहुत कमी रह गई हो, तथ्य यह है कि १७वीं लोकसभा में भी विपक्ष ने विरोध की डिग्री में कोई कमी नहीं रहने दी थी। यह बात सदन के अंदर और बाहर विपक्ष के हंगामे, वॉकआउट, धरना-प्रदर्शन वगैरह में ही नहीं, सदन से विपक्षी सांसदों के निलंबन जैसी कार्रवाइयों में भी झलकती रही। बेशक इन सब पर पक्ष और विपक्ष का अपना अलग रुख है, उसके पीछे उनकी अपनी दलीलें भी हैं, लेकिन एक स्तर पर देखा जाए तो यह एक धड़कते, जिंदा लोकतंत्र की ज्वलंत निशानी भी मानी जाएंगी।

विपक्ष की कमजोरी - बावजूद इसके, पिछली लोकसभा में कई मामलों में सत्ता पक्ष के सामने विपक्ष की कमजोरी भी दर्ज होती रही। पिछले करीब दस साल सदन में नेता प्रतिपक्ष की जगह खाली रही। १७वीं लोकसभा में तो कोई डेप्युटी स्पीकर भी नहीं बनाया गया और विपक्ष सरकार को इसके लिए मजबूर नहीं कर सका।

बढ़ा हुआ मनोबल - इस पृष्ठभूमि में १८वीं लोकसभा में विपक्षी सदस्यों की बढ़ी हुई संख्या उनके मनोबल और आत्मविश्वास को बढ़ाए हुए है। पहले दिन ही सदन के बाहर संविधान हाथ में लिए प्रदर्शन करते विपक्षी सांसदों ने यह संकेत दिया कि वे सरकार पर दबाव बनाने का कोई मौका इस बार नहीं चूकना चाहते। दूसरी ओर सत्ता पक्ष भी अपने गठबंधन की मजबूती को कम समझने वालों के सारे भ्रम दूर करते चलने को कृत संकल्प दिख रहा है। विपक्षी सांसदों के प्रदर्शन के जवाब में आपातकाल की याद दिलाने वाला पीएम मोदी का बयान बताता है कि विपक्षी दलों की हर ईंट का जवाब पत्थर से देने की तैयारी सत्ता पक्ष ने भी कर रखी है।

चुनौती दोनों तरफ - मुद्दों की कमी नहीं है। चाहे चुनावों से पहले के अग्निवीर और जाति जनगणना जैसे मुद्दे हों या महंगाई और बेरोजगारी जैसे शाश्वत माने जाने वाले सवाल या फिर पेपरलीक से जुड़े आरोप- सदन में ये उठेंगे ही। असल चुनौती यह है कि बदले समीकरणों के बीच विपक्ष अपनी बढ़ी हुई ताकत का कितना कुशल और रचनात्मक इस्तेमाल कर सकता है और सत्ता पक्ष इस ऊर्जा को ईंधन बनाते हुए किस हद तक देश के विकास को गति दे पाता है। यही कसौटी है जो मतदाताओं के इस जनादेश ने दोनों के लिए तय की है।

शराब नीति केस में दिल्ली सीएम अरविंद केजरीवाल को दिल्ली हाईकोर्ट से जमानत नही

बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होगी। २० जुन को केजरीवाल को बेल दि

दिल्ली सीएम अरविंद केजरीवाल को जमानत देने से दिल्ली हाईकोर्ट ने इनकार कर दिया है। कोर्ट ने कहा– दलीलों पर सही ढंग से बहस नहीं हुई थी, इसलिए राउज एवेन्यू कोर्ट के फैसले को रद्द करते हैं। ट्रायल कोर्ट की टिप्पणी पर विचार नहीं किया जा सकता। यह पूरी तरह से अनुचित है। यह दर्शाता है कि ट्रायल कोर्ट ने सामग्री पर अपना दिमाग नहीं लगाया है। राउज एवेन्यू कोर्ट ने 20 जून को केजरीवाल को बेल दी थी, लेकिन ईडी की याचिका पर हाईकोर्ट ने 21 जून को रोक लगा दी थी। अब कल (बुधवार को) सुप्रीम कोर्ट में मामले की सुनवाई होगी। ईडी के वकील ने कोर्ट में कहा था कि ट्रायल कोर्ट की वेकेशन बेंच के सामने जो भी जरूरी दस्तावेज रखे गए थे, बेंच ने उस पर ध्यान देना जरूरी नहीं समझा। इन दस्तावेजों में सबूत थे कि केजरीवाल मनी लॉन्ड्रिंग केस में पूरी तरह शामिल हैं।

ईडी के मुताबिक, दिल्ली शराब घोटाले से जो काला धन जमा हुआ था, उसमें आम आदमी पार्टी की बड़ी हिस्सेदारी थी। प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत केजरीवाल की भूमिका को नजरअंदाज करके वेकेशन बेंच ने भूल की है।

अयोध्या राम मंदिर के गर्भग्रह मे भरा पानी टार्च की रोशनी में हुई आरती,शिखर खुला होन से टपका पानी

शिखर का काम पुरा हो जाएगा तो पानी बंद हो जाएगा अभी ४ इंच पानी गर्भ ग्रह मे भरा

अयोध्या के राम मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास ने सोमवार को बताया कि राम मंदिर की छतों से बारिश का पानी टपक रहा है। उन्होंने कहा कि गर्भगृह में जहांरामलला विराजमान हैं, वहां भी पानी भर गया। अगर एक–दो दिन में इंतजाम नहीं हुए, तो दर्शन और पूजन की व्यवस्था बंद करनी पड़ेगी।उधर, श्री राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने कहा, मैं अयोध्या में हूं। मैंने पहली मंजिल से बारिश का पानी गिरते हुए देखा है, क्योंकि गुरु मंडप खुला है। जब इसके शिखर का काम पूरा हो जाएगा, तो ये ढक जाएगा। आचार्य ने कहा, सुबह 6 बजे की आरती टॉर्च में करनी पड़ी – शनिवार रात 2 से 5 बजे तक तेज बारिश हुई। इसके बाद मंदिर के गर्भगृह के सामने मंडप में 4 इंच तक पानी भर गया।

संसद सत्र मे मोदी ने किया आपातकाल का जिक्र , 50 साल पहले संविधान को नकार दिया था।

मोदी ने १४ मिनट के भाषण में आपातकाल,नए संसद भवन नए सांसदों जिम्मेदार विपक्ष तीसरे कार्यकाल विकसीत भारत पर अपनी बात रखी।

इमरजेंसी के 50 साल पूरे होने पर –मोदी ने आपातकाल का जिक्र करते हुए कहा – कल 25 जून हैं। जो लोग इस देश के संविधान की गरिमा को समर्पित हैं, जो लोग भारत की लोकतांत्रिक परंपराओं पर निष्ठा रखते हैं, उनके लिए 25 जून न भूलने वाला दिवस है। भारत की नई पीढ़ी ये कभी नहीं भूलेगी की संविधान को पूरी तरह नकार दिया गया था, भारत को जेलखाना बना दिया गया था, लोकतंत्र को पूरी तरह दबोच दिया गया था।

प्रज्वल रेवन्ना की न्यायिक हिरासत आठ जुलाई तक बढी प्रज्वल का भाई भी हुआ गिरफ्तार

प्रज्वल रेवन्ना का भाई भी समलैंगीक संबंध मामले में गिरफ्तार

कर्नाटक सेक्स स्कैंडल के आरोपी प्रज्वल रेवन्ना की न्यायिक हिरासत 8 जुलाई तक बढ़ा दी गई है। था। कोर्ट ने इससे पहले 10 जून को उन्हें 24 जून तक, 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेजा था।प्रज्वल को 31 मई को गिरफ्तार किया गया था। कोर्ट ने पहले उन्हें 6 जून तक की हिरासत में भेजा। 6 जून को उनकी पुलिस कस्टडी 10 जून तक बढ़ा दी गई। फिर 10 जून को बेंगलुरु की एक स्पेशल कोर्ट ने उन्हें 24 जून तक न्यायिक हिरासतमें भेजा प्रज्वल पर महिलाओं से यौन उत्पीड़न का आरोप है। उनके खिलाफ रेप, छेड़छाड़, ब्लैकमेलिंग और धमकी देने के आरोपों से जुड़े अब तक तीन एफ दर्ज की गई हैं। प्रज्वल हासन के पूर्व JDS सांसद रहे हैं। वे श्रवै विधायक एचडी रेवन्ना के बेटे और पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा के पोते हैं।

गुजरात में मानसून रूका मध्यप्रदेश मे तीन दिन बाद पहुँचेगा,वारणसी में हिटवेव से टुरिस्ट की मौत।

दिल्ली की जल मंत्री है आतिशी जो २१ जुन से हडताल पर थी।

दिल्ली की जल मंत्री आतिशी 21 जून से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर बैठी हैं। आज उनका 4 दिन है। उनकी मांग हरियाणा से 100 पानी भेजे जाने की मांग है। हरियाणा से संधि के तहत 613 उहक पानी भेजना होता है। आतिशी की दावा है कि हरियाणा सरकार केवल 513 उहक पानी ही भेज रहा है। इससे कारण दिल्ली के 28 लाख लोगों को पानी नहीं मिल पा रहा है। आतिशी जंगपुरा के भोगल में अनशन पर बैठी हैं। सोमवार शाम की तीन महिला सांसद महुआ मोइत्रा, प्रतिमा मंडल और सागरिका घोष उनका समर्थन करने पहुंचीं। आज ही डॉक्टरों की टीम ने बताया था कि आतिशी का वजन 4 दिनों में 2 किलो ग्राम से ज्यादा घट गया है। उनका कीटोन लेवल भी बढ़ गया है। महुआ मोइत्रा ने कहा कि लोकसभा चुनाव में दिल्ली की जनता ने भाजपा को सभी 7 सीटें जिताईं, फिर भी लोगों को पानी नहीं मिल रहा है। दिल्ली की जनता तो आपके BJP के साथ है। हरियाणा ने 30 लाख लोगों का पानी रोक रखा है। बीजेपी रिवेंज पॉलिटिक्स करती है। यह देश की जनता को पसंद नहीं है।

गंगा तीस्त जल बटवारे पर भारत बांग्लादेश की बातचीन से नाराज ममता ने पीएम को लिखे पत्र

ममता ने पीएम मोदी को पत्र लिखा कर कहा हमारे बीना पडोसी देश से एसी चर्चा मंजुर नही ।

पश्चिम बंगाल सरकार ने भारत और बांग्लादेश के बीच गंगा और तीस्ता नदी के जल बंटवारे को लेकर बातचीत पर नाराजगी जताई है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का आरोप है कि केंद्र ने पड़ोसी देश के साथ बातचीत में राज्य सरकार को शामिल नहीं किया। जबकि, बंगाल का बांग्लादेश के साथ भौगोलिक, सांस्कृतिक और आर्थिक रूप से बहुत करीबी रिश्ता है। ममता ने सोमवार (24 जून) को इसे लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेटर लिखा। इसमें उन्होंने बांग्लादेश से जल बंटवारे के मुद्दे पर चर्चा से बंगाल सरकार को बाहर करने पर कड़ी आपत्ति जताई। ममता ने तीन पेज के लेटर में कहा– राज्य सरकार से पूछे बिना इस तरह की एकतरफा बातचीत हमें मंजूर नहीं है।दरअसल, बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना 21 जून को दो दिनों के लिए भारत दौरे पर आई थीं। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी के साथ उनकी कई मुद्दों पर बातचीत हुई। दोनों प्रधानमंत्री ने द्विपक्षीय बैठक में तीस्ता नदी के संरक्षण और प्रबंधन और 1996 की गंगा जल संधि के नवीनीकरण पर भी चर्चा की थी।

डिजीटल संस्करण
https://sbpatra.in
पर उपलब्ध

सत्य का ब्रह्मास्त्र

स्वतंत्र बौद्धिकपत्र

समाचार पत्र

https://sbpatra.in/

पर पढ़े

खबरों के लिए लोगिंन करे

https://sbpatra.in/

समाचार के लिए लोगिंन करें

https://sbpatra.in/

https://sbpatra.in/

सत्य का ब्रह्मास्त्र

स्वतंत्र बौद्धिकपत्र

पाठक सामाचार पत्र को वेब / पोर्टल पर उपलब्ध ।

https://sbpatra.in/

सत्य का ब्रह्मास्त्र

स्वतन्त्र बौद्धिकपत्र

https://sbpatra.in/

समाचार के लिए लॉगिन करे।

गुगल पर सर्च करे।

https://sbpatra.in/

ओर पाए विडीयो न्युज , ई-पेपर , व अन्य खबरे।

स्वत्वाधिकार सम्पादक प्रकाशक मधुसूदन शर्मा / डिजिटल संस्करण प्रति सोमवार स्वतंत्र बौद्धिक पत्र समाचार पत्र की आधिकारीक वेबसाइट https://sbpatra.in/ पर उपलब्ध है। अन्य वेब या डिजिटल माध्यमों पर इसे प्रकाशित या इस नाम से , अन्य सामग्री जैसे समाचार पत्र प्रकाशन या इस नाम से कोइ वेब डोमेन खरीदना , दण्डनीया अपराध होगा ,ऐसा करने पर वैधानिक कार्यवाही की जा सकती है । - सम्पादक मधुसूदन शर्मा